श्री श्री गोवर्द्धन गोविन्द कुण्ड तटस्थित श्री माधवेन्द्रपुरी पादको दुध देने के लिये
गोपबालक रुप में भगवान् श्री कृष्ण ।

श्री श्री राधाकुण्ड श्रीकृष्णचैतन्य शास्त्र मन्दिर से प्रकाशित ।

शैल परिक्रमा करि गोविन्द कुण्डे आसि । स्नान करि वृक्ष तले आछे सन्ध्याय वसि ॥
गोपवालक एक दुग्ध भाण्ड लञा । आसि आगे धरि किछु वलिला हासिया ॥
पुरी ! एइ दुग्ध लेया कर तुमि पान । मागिकेने नाहि खाओ, किवाकर ध्यान ॥
(श्रीचैतन्य चरितामृत २।४ प:) ।